अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में हटाए ईंट भट्टे

▸ **श्रमिकों में आक्रोश, स्थानीय मजदूरों के लिए रोजगार का संकट खड़ा हो गया**

मंदसौर। नगर प्रशासन ने पुलिस बल की मौजूदगी में की कार्रवाई शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के अभियान के तहत सोमवार को प्रशासन द्वारा अलावदा खेड़ी क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रूप से संचालित ईंट भट्टों पर कार्रवाई की गई। नगर पालिका की टीम पुलिस बल एवं भारी संसाधनों के साथ मौके पर पहुँची और अतिक्रमण मानते हुए ईंट भट्टों को हटाने की कार्रवाई शुरू की।

प्रशासन के अनुसार इन ईंट भट्टों को लेकर लंबे समय से शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। स्थानीय नागरिकों का कहना था कि भट्टों से निकलने वाले धुएँ, गंदगी एवं प्रदूषण के कारण पर्यावरण को नुकसान पहुँच रहा था, जिससे आसपास रहने वाले लोग गंभीर परेशानियों का सामना कर रहे थे। इन्हीं शिकायतों के आधार पर कार्रवाई का निर्णय लिया गया।

कार्रवाई के दौरान मौके पर विरोध के स्वर भी देखने को मिले। ईंट भट्टों से जुड़े मजदूरों एवं स्थानीय लोगों की बड़ी संख्या एकत्र हो गई। उनका कहना था कि इन भट्टों से कई गरीब परिवारों की रोजी-रोटी चलती थी और अचानक की गई इस कार्रवाई से उनके सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

मौके पर मौजूद महिलाओं की आँखों में आँसू नजर आए। कई महिलाओं ने प्रशासन के समक्ष हाथ जोड़कर कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई, लेकिन प्रशासन की जेसीबी मशीनें पुलिस बल की मौजूदगी में बिना रुके भट्टों को ध्वस्त करती रहीं।

प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई पूरी तरह नियमों के तहत की गई है और शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा। वहीं दूसरी ओर प्रभावित परिवारों में इस कार्रवाई को लेकर गहरा दुख एवं आक्रोश व्याप्त है।

भागवताचार्य पं. कृष्णवल्लभ शास्त्री की कथा का पौथी यात्रा के साथ शुभारंभ

▸ **कोई भी धर्म करने जाये आप हमेशा उसका सहयोग करे - पं. श्री शास्त्री**

मंदसौर। उपाध्याय परिवार द्वारा संगीतमय श्रीमद भागवत कथा 21 दिसंबर से 27 दिसम्बर जीवागंज स्थित जगदीश मंदिर में प्रथम दिवस पर पौथी यात्रा निकाली गयी। शहर के जीवागंज स्थित भागवत विचार संस्थान द्वारा आयोजित पं. श्रीकृष्णवल्लभ शास्त्री कथा की पौथी यात्रा का शुभारम्भ जगदीश मंदिर जीवागंज से हुआ, और समापन कथा स्थल पर हुआ। इस पोथी यात्रा में सैकड़ो महिलाएं व पुरुष केसरिया साड़ी व सफ़ेद पजामा कुर्ता में शामिल हुए। पं. श्रीकृष्णवल्लभ शास्त्री ने प्रथम दिवस की कथा में महात्म का वर्णन बताया। तातपश्चात उदाहरण देते हुए बताया कि असली दूध क्या होता है वो आजकल सभी भूल गए है, क्योकी आजकल घरो में डेरी का दूध इस्तेमाल हो रहा है उन्हे नही पता कि डेरी के दुध में मलाई नही निकलती। साधु संत भगवान के सामने कोई स्त्री दुखी मिल जाये, भगवान नारदजी सुंदर बात यह कह रहे कि स्त्रियों को बिना पुरुष के अकेले घूमना फिरना मना है।

राजा जितना दुनिया घूमता है वैसे उसका प्रभाव होता है। धनवान व विद्वान् का घूमना जरूरी है लेकिन स्त्री का नही।. आज कल माँ बाप तो प्रात: 4-5 बजे उठ जाते है। और पुत्र इतनी जल्दी नही उठ पाते जब तक कि मॉ बाप द्वारा घर का पानी, सब्जी व घर का कार्य निपटा लिया जाता है लेकिन बेटा तब भी बिस्तर पर पड़ा होता है। इस प्रकार मां बाप जवान है बेटा बूढा हो गया है। आगे बताया कि भक्ति ज्ञान वैराग्य, कुम्भकारी मोक्ष, कथाएँ भी जगाती है और गुरु भी जगाता है। घर का कार्य बहु करगी हर कार्य पूछ कर करना चाहिए जो सत्कर्म कहलाता है। जो भी समाज और कोई धर्म करने जाये हमेशा उसका सहयोग करे। अंत में पं. श्री कृष्ण वल्लभ शास्त्री व उपाध्याय परिवार द्वारा इस कथा में अधिक से अधिक संख्या में पधारने का आग्रह किया गया।

इनरव्हील क्लब की डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन विभा सिंह की अधिकारिक यात्रा संपन्न

▸ **शिक्षा व चिकित्सा क्षेत्र में किये अनेक सेवा प्रकल्प**

मंदसौर। इनरव्हील क्लब मंदसौर, डिस्ट्रिक्ट 304 में डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन श्रीमती विभा सिंग का आधिकारिक दौरा अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष श्रीमती हेमा हिंगड़ के नेतृत्व में क्लब की सभी सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया तथा क्लब द्वारा श्रीमती सींग को मोमेंटो भेंटकर उनका सम्मान भी किया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं इनरव्हील प्रार्थना से हुई। तत्पश्चात क्लब अध्यक्ष हेमा हिंगड़ द्वारा स्वागत भाषण दिया गया जिसमें मंडल अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि क्लब आपके सानिध्य में निरंतर सेवा प्रकल्प के नए आयाम खड़े करेगा।

सचिव रचना दोषी ने क्लब द्वारा वर्षभर किए जा रहे सेवा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण से जुड़े प्रकल्पों की जानकारी प्रोजेक्टर द्वारा प्रस्तुत की गई।

डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन श्रीमती विभा सिंग ने अपने उद्बोधन में क्लब के कार्यों की सराहना करते हुए सदस्यों को और अधिक सामाजिक सेवा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इनरव्हील की थीम एवं लक्ष्यों पर प्रकाश डालते हुए संगठन की मजबूती, अनुशासन और सेवा भावना को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान क्लब सदस्यों के साथ संवाद भी किया गया, जिसमें भविष्य की योजनाओं एवं प्रकल्पों पर चर्चा हुई।

सेवा कार्यों में पूर्व अध्यक्ष श्रीमती दीपा रांका परिवार द्वारा भुनियाखेड़ी स्कूल में छात्रों हेतु 6 चेयर प्रदान की गई, व सिविल हॉस्पिटल में मरीजों हेतु पूर्व अध्यक्ष श्रीमती आशा काबरा परिवार द्वारा ऑक्सीजन मशीन व पूर्व अध्यक्ष श्रीमती शर्मिला बसेर द्वारा 2 हीटर प्रदान किये गये दिए गए।

इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष निर्मला मेहता, आशा काबरा, बीनू कीमती, डॉ. उर्मिला तोमर, शकुंतला पोरवाल, लीला सोनी, आभा त्रिवेदी, शिमला जैन, शर्मिला बसेर, प्रीती छाबडा, इंदु पंचोली, दीपा रांका, मधु उंकावत, पार्वती बसेर, शशि झलोया, वंदना संघवी, इंद्रा तोमर, अल्पना सिंह, रश्मि गुप्ता, प्रियंका सोनी, सोनिया नाहर, भावना बसेर आदि उपस्थित थे।

प्रारंभ में इनर व्हील प्रार्थना सचिव रचना दोषी ने प्रस्तुत की। ईश वंदना नृत्य अदिति चनाल द्वारा किया गया। नारी शक्ति पर डांस भव्या शर्मा द्वारा किया गया। लकी ड्रा एडिटर किरण भामावत द्वारा दिए गए। राष्ट्रगान पेव मेजर उषा कुमावत द्वारा प्रस्तुत किया।

संचालन कोषाध्यक्ष सुनीता पहाड़िया एवं साक्षी जैन ने किया एवं आभार उपाध्यक्ष अंजना पटेल ने माना।

सर्वप्रथम राष्ट्र फिर धर्म व फिर समाज को हमें महत्व देना है

▸ **मध्यप्रदेश विप्र सेना की ब्राह्मण महापंचायत सीतामऊ में संपन्न**

सीतामउ। मध्यप्रदेश विप्र सेना की ब्राह्मण महापंचायत का भव्य आयोजन सरदार लोकपुरुष वल्लभभाई कृषि उपज मंडी सीतामउ में सम्पन्न हुवा जिसमे मध्यप्रदेश सहित गुजरात, राजस्थान, हरियाणा तक के ब्राह्मण समाज के समाजजनों ने भाग लिया।

विप्र सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील तिवाड़ी ने उपस्थित समाजजनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज सनातन धर्म का सबसे अग्रसर सैनिक है अत: वर्तमान समय मे आ रही समाज के सामने चुनोतियो से हम्हे विचलित नही होना है और एकजुटता के साथ हर चुनोती से लड़ना है। हम भले ही ब्राह्मण है पर हिन्दू पहले है अत: सर्वप्रथम राष्ट्र फिर धर्म व फिर समाज को हमें महत्व देना है। विप्र सेना देश के हर राज्य में वर्ष में एक बार महापंचायत का आयोजन करेगी। आयोजन को ब्राह्मण समाज के प्रदेश अध्यक्ष पुष्पमित्र मिश्रा भोपाल ने बताया कि ब्राह्मण समाज को आज कुरीतियों व दुष्प्रचारो के दुष्प्रभावों से दूर होकर स्वयं पर विश्वास कर संगठित स्वरूप में कार्य करना होगा। आयोजन के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने ब्राह्मण समाज को सम्बोधित करते हुए कहा है कि हम दुनिया को दिशा देने वाले लोग है नशा हो आधुनिक विज्ञान का हर वैज्ञानिक हम उनसे पहले से ग्रहों नक्षत्रों शून्य दशमलव आदि के विषय मे जानते थे और आज भी हमारी गणना नासा की गणना से अधिक सटीक है क्योंकि हम पंचांग बनाने के साथ वाचन भी करते है। धर्म राष्ट्र व समाज के स्वरूप में हम अग्रसर है नरोत्तम मिश्रा ने रामायण,महाभारत की घटनाओं का भी जिक्र किया साथ ही कहा कि पैसा कितना भी कमा लो काम धर्म समाज की परम्परा से जुड़कर होना चाहिए। देश मे अम्बानी मन्दिर मन्दिर घूँमते है,विराट कोहली प्रेमानंद जी के पास जाते है,अडानी व एपल के संस्थापक का जिक्र भी कर उन्होंने कहा की पेसा इनके पास भी है पर धर्म को पहली प्राथमिकता इन्होंने दी है अत: अपने लक्ष्य को तय करे फिर संघटित स्वरूप में कार्य करे व सफ़लता प्राप्त करे। मंच पर विप्रसेना के साथ अनेक विध्वजन व कामखेडा बालाजी के महंत भी उपस्थित थे।।

एक नजर में

हिंदू समाज समरसता सम्मेलन हेतु चिकन्या में कार्यालय का शुभारंभ

गरोठ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आगामी 13 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाले हिंदू समाज समरसता सम्मेलन की तैयारियों के तहत पावटी मंडल के ग्राम चिकन्या में सम्मेलन कार्यालय का उद्घाटन एवं कार्यक्रम स्थल का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर विधिवत ध्वजारोहण भी किया गया। हिंदू सम्मेलन कार्यालय का शुभारंभ संत श्री 1008 श्री बालक दास जी महाराज के करकमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में हिंदू सम्मेलन समिति के संयोजक, सह-संयोजक, सदस्यगण, प्रबुद्धजन, वरिष्ठजन एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे और उत्साहपूर्वक सहभागिता की। आयोजकों ने बताया कि यह सम्मेलन हिंदुत्व, पारिवारिक समरसता, आपसी मेल-मिलाप, सामाजिक सौहार्द, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्यों एवं आत्मबोध जैसे विषयों पर सकारात्मक एवं प्रेरक वातावरण प्रदान करेगा। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनने का आह्वान किया।

आशा, उत्साह, पुरुषार्थ, सफलता व संतुष्टि के लिये जीवन में सकारात्मकता चाहिए

मंदसौर। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। प्रमुख वक्ता श्री प्रकाश रातड़िया ने कहा कि जीवन में सकारात्मकता से ही आशा, उत्साह, पुरूषार्थ, सफलता व संतुष्टि मिलती है। सही लक्ष्य का निर्धारण कर पूरी क्षमता से पुरुषार्थ करना आवश्यक है, किन्तु परिणाम के लिये आग्रह नहीं रखना चाहिए, यही संतुष्टि का मार्ग है। श्री कृष्ण के गीता उपदेश एवं तीर्थंकर महावीर स्वामी के कर्म सिद्धांत की यही प्रेरणा है कि श्रेष्ठ के लिये प्रयास करे व प्राप्ति में तुष्ट रहें। पं. सुरेश पण्ड्या ने भारतीय संस्कृति के 16 संस्कारों का विवेचन किया। गर्भाधान, नामकरण, विद्यारंभ, यज्ञोपविद, समावर्तन, विवाह एवं अंतिम संस्कार सहित सभी संस्कार महत्वपूर्ण है। शुद्ध, सदाचारी व जिम्मेदार व्यक्तित्व निर्माण में इनका महत्व है। वरिष्ठ साहित्यकार गोपाल बैरागी ने कहा कि प्रभु के प्रति आस्था का तब ही उपादेय है जबकि प्रभु के संदेश अनुरूप आचरण हो। आज अपने अपने सम्प्रदाय व वंश में संलग्न भक्तों ने प्रभु को भूला दिया है। राजकुमार, जसवंत, महेन्द्रसिंह टूटेजा, यशवंत प्रजापति, राजेन्द्र तिवारी, अभय जैन, सुरेश कोठारी ने मंगलाचरण, गीत, भजन व विचार व्यक्त किये। ओमप्रकाश सोनी, शंकरलाल त्रिवेदी, डॉ. रविन्द्र जोशी, लक्ष्मीनारायण कोठारी, राजेन्द्र छाजेड़, देवप्रकाश भाना ने संवाद में सहभागिता की। संचालन रमेश ब्रिजवानी ने और आभार प्रदर्शन प्रकाश कल्याणी ने किया।

सीतामउ में दो दिवसीय राष्ट्रीय संत सम्मेलन का समापन

सीतामउ। आर्यावत षट दर्शन साधु मंडल भारत के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का संत सम्मेलन सोमवार को संपन्न हुआ। सम्मेलन में देश के 22 राज्यों से आए 500 से अधिक साधु-संतों, महात्माओं, आचार्यों एवं महामंडलेश्वरों ने भाग लेकर धर्म व राष्ट्र से जुड़ी चुनौतियों पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के आयोजक एवं प्रदेश अध्यक्ष महंत जितेंद्र दास महाराज ने बताया कि सीतामउ में इतने बड़े स्तर पर संतों का एकत्र होना नगर के लिए ऐतिहासिक क्षण है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर रामेश्वर दास महाराज ने मठ-मंदिरों की भूमि एवं पुजारियों से जुड़े विषयों पर सरकार से उचित निर्णय लेने की मांग की। साध्वी मंडल की प्रदेश अध्यक्ष जयमाला वैष्णव एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महंत योगेंद्र गिरी महाराज ने भी अपने विचार रखे।

सीतामऊ पुलिस की अवैध डोडाचूरा माफियाओं पर कार्रवाई

सीतामऊ/नाहरगढ। थाना सीतामऊ अप.क्र. 804/2025 जिला मन्दसौर धारा 8/15, *NDPS ACT* । पुलिस अधीक्षक मंदसौर विनोद कुमार मीणा जी के द्वारा समस्त थाना प्रभारी को अवैध मादक पदार्थ का परिवहन /भंडारण एवं विक्रय पर रोकथाम करने हेतु निर्देश दिये थे जो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ सुश्री हेमलता कुरील के नेतृत्व मे एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के द्वारा लगातार कार्यवाही हेतु निर्देशीत किया जा रहा था। जिस पर कार्यवाही करते हुए दिनांक 21.12.2025 को निरीक्षक कमलेश प्रजापति के द्वारा थाना सीतामऊ पर पदस्थ उनि ओमप्रकाश राठौर को पुलिस बल के साथ आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशीत किया गया तथा कार्यवाही करते हुऐ गठित टीम द्वारा काले रंग के बिना नम्बर के महिन्द्रा स्कार्पियो गाडी से काले रंग के 14 प्लास्टिक के कट्टो मे भरा कुल 308 किलोग्राम डोडाचुरा किमती 6,16,000/- रूपये जप्त किया गया।

घटना का गठित टीम के द्वारा आज मूखबिर द्वारा प्राप्त सूचना पर कार्यवाही करते हुए चायखेडी फंटे के पास विश्नीया सुवासरा रोड पर नाकाबंदी कि गई जो काले रंग के बिना नम्बर के महिन्द्रा स्कार्पियो गाडी आती दिखी जो पुलिस की नाकाबंदी देख कर स्कार्पियो का चालक गाडी रोकर कर अधेरा का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया स्कार्पियो वाहन की तलाशी लेते वाहन के अंदर से काले रंग के 14 प्लास्टिक के कट्टो मे भरा कुल 308 किलोग्राम डोडाचूरा किमती 6,16,000/- रूपये व तीन नंबर प्लेट त्ळ्27श्वश्व0439, 24क्क॥9489, रू॥12स्4285 को जप्त किया जाकर थाना सीतामऊ पर अपराध क्रमांक 804/2025 धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। जप्त मशरुका 308 किलोग्राम डोडाचूरा किमती करीब 616000 रुपये व बिना नम्बर की स्कार्पियो कार।

सराहनीय कार्य निरीक्षक कमलेश प्रजापति व गठीत टीम का विशेष योगदान रहा।

वैश्विक ध्यान सत्र का आयोजन

भानपुरा। विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था अर्पण सेवा समिति, ढाबला माधोसिंह के तत्वावधान में विशेष ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कन्हा शांति वनम, श्री रामचंद्र मिशन द्वारा संचालित किया गया।

श्री रामचंद्र मिशन के संस्थापक एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शक आदरणीय दाजी (हैदराबाद) द्वारा यूट्यूब लिंक के माध्यम से रात्रि 8 बजे से 20 मिनट का निर्देशित ध्यान सत्र प्रारंभ किया गया। इस सत्र में प्रतिभागियों ने हृदय आधारित ध्यान के माध्यम से आत्मचिंतन एवं आंतरिक शांति का अनुभव किया।

कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि जब सभी लोग एक समान उद्देश्य एवं भाव के साथ एक साथ ध्यान करते हैं, तो एक गहन आध्यात्मिक अनुभूति उत्पन्न होती है। यह ध्यान सत्र परमात्मा से जुड़ने का एक वैश्विक आध्यात्मिक महोत्सव रहा, जिसमें विश्व भर से 10 लाख से अधिक लोगों ने सहभागिता कर ध्यान सत्र का लाभ लिया।

इस अवसर पर नवांकुर संस्था के कार्यक्रम समन्वयक राजेश बैरागी, बंटी धाकड़, हरिओम, भानु, सुभाष, सोनू एवं सुमन सहित अनेक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

एक नजर ▸ **ऑनलाइन कार्यशाला में कुमठ ने दिए सुझाव**

गेम चेंजर साबित नहीं हो सका नैनो यूरिया, जागरूकता के अभाव में छूटा बड़ा अवसर

पिपलिया स्टेशन (निप्र)। देश में बढ़ते यूरिया संकट, किसानों पर निर्भरता और सरकार पर लगातार बढ़ते सब्सिडी बोझ के बीच नैनो यूरिया को एक क्रांतिकारी समाधान के रूप में प्रस्तुत किया गया था। 45 किलो वजनी पारंपरिक यूरिया की बोरी के विकल्प के रूप में मात्र 500 मिलीलीटर की नैनो यूरिया बोतल, जिसे जेब में रखकर खेत तक ले जाया जा सकता है, किसानों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही थी।

कम कीमत, समान पोषक तत्व और उपयोग में आसानी के कारण यह उम्मीद की जा रही थी कि नैनो यूरिया खेती की तस्वीर बदल देगा, लेकिन जमीनी स्तर पर यह उम्मीद पूरी तरह साकार नहीं हो सकी। यह बात एफएआई नई दिल्ली के सदस्य अशोक कुमठ (पिपलियामंडी) ने 'गेम चेंजर नैनो यूरिया कितना सफल' विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में कही। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि नैनो यूरिया के अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने के पीछे सबसे बड़ा कारण पारंपरिक यूरिया का अत्यधिक सस्ता होना है, जिसके चलते किसान उसका अंधाधुंध और असंतुलित उपयोग करते आ रहे हैं। दूसरा प्रमुख कारण यह रहा कि नैनो यूरिया के उपयोग, समय और इसके वास्तविक लाभों की जानकारी किसानों तक सही समय पर और प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पाई।

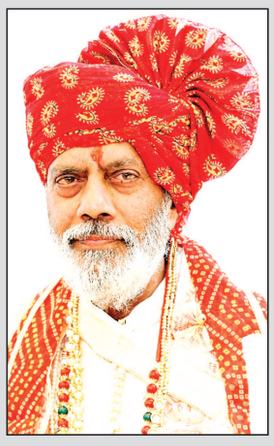

अशोक कुमठ ने बताया कि वर्ष 2021 में इफको द्वारा विश्व में पहली बार नैनो यूरिया का व्यावसायिक उत्पादन प्रारंभ किया गया और अब तक 7 करोड़ से अधिक नैनो यूरिया बोतलों का निर्माण कर बाजार में उपलब्ध कराया जा चुका है। इसके बावजूद किसान पारंपरिक यूरिया के मोह से बाहर नहीं निकल पाए। वर्षों से चली आ रही आदत और नई तकनीक को लेकर संदेह के कारण नैनो यूरिया को अपेक्षित स्वीकार्यता नहीं मिल सकी। उन्होंने बताया कि पारंपरिक यूरिया में 46 प्रतिशत नाइट्रोजन होती है, जो फसलों के लिए

अत्यंत आवश्यक पोषक तत्व है। यह पौधों को हरा रखने और सूर्य की किरणों के साथ प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया में सहायक होती है। लेकिन किसान आवश्यकता से अधिक मात्रा में यूरिया का उपयोग कर रहे हैं, जिससे जहां एक ओर पैदावार प्रभावित हो रही है, वहीं दूसरी ओर कृषि भूमि की उर्वरता भी धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। लगातार असंतुलित उपयोग से भूमि बंजर होने की स्थिति तक पहुंच रही है। इसके साथ ही सरकार पर खाद सब्सिडी का भारी आर्थिक बोझ भी बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में 75 रुपये प्रति किलो लागत वाला यूरिया सरकार किसानों को मात्र 5 से 6 रुपये प्रति किलो में उपलब्ध करवा रही है। देश में खाद सब्सिडी पर होने वाले कुल ढाई लाख करोड़ रुपये के व्यय में से लगभग 1.70 लाख करोड़ रुपये केवल यूरिया पर खर्च हो रहे हैं। इसके बावजूद संतुलित उपयोग न होने से सरकार की इस बड़ी सहायता का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है।

अशोक कुमठ ने यह भी कहा कि नीम कोटेड यूरिया होने के बाद भी उसका चोरी-छिपे औद्योगिक इकाइयों में उपयोग किया जाना गंभीर चिंता का विषय है। इसके अलावा परिवहन, भंडारण और समय पर उपलब्धता जैसी समस्याएं भी बनी हुई हैं। इन सभी परेशानियों से किसानों को राहत दिलाने के उद्देश्य से सरकार ने नैनो यूरिया के उत्पादन को प्रोत्साहन दिया और वर्ष 2025 तक 44 करोड़ नैनो यूरिया बोतलों के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया। नैनो यूरिया की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कुमठ ने बताया कि नैनो यूरिया का एक कण पारंपरिक यूरिया के कण से लगभग 55 हजार गुना छोटा होता है, जबकि इसका सतह क्षेत्रफल लगभग 10 हजार गुना अधिक होता है।

> पारंपरिक यूरिया में मौजूद नाइट्रोजन का करीब 65 प्रतिशत भाग हवा और पानी में नष्ट हो जाता है, जबकि नैनो यूरिया के माध्यम से पौधों को लगभग संपूर्ण पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। इससे उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ कुल यूरिया खपत को भी आधा किया जा सकता है, हालांकि बाजार की स्थिति इसके विपरीत दिखाई दे रही है। कई क्षेत्रों में आज भी पारंपरिक यूरिया 300 से 350 रुपये प्रति बोरी की दर से बिक रहा है, जबकि नैनो यूरिया अपने निर्धारित मूल्य 225 रुपये से भी कम होकर 100 रुपये प्रति बोतल तक आसानी से उपलब्ध है। यह स्थिति किसानों में नैनो यूरिया को लेकर विश्वास की कमी को दर्शाती है। कार्यशाला के अंत में अशोक कुमठ ने कहा कि किसी भी नई तकनीक को सफल बनाने के लिए उसका व्यापक स्तर पर अपनाया जाना आवश्यक है। इसके लिए जरूरी है कि किसानों को इसके उपयोग और लाभों की जानकारी सरल और व्यवहारिक तरीके से दी जाए। लेब टू लैंड जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से नैनो यूरिया की उपयोगिता खेत तक पहुंचाई जाए। पारंपरिक यूरिया और नैनो यूरिया के प्रदर्शन प्लॉट लगाकर किसानों को उत्पादन का प्रत्यक्ष अंतर दिखाया जाए, ताकि वे स्वयं इसके लाभ को महसूस कर सकें। उन्होंने कहा कि सरकार ने नैनो यूरिया को हरी झंडी देकर एक साहसिक और दूरदर्शी कदम उठाया है, लेकिन यह तकनीक तभी वास्तव में गेम चेंजर साबित होगी, जब इसके लाभों को प्रत्येक किसान तक सही ढंग से और विश्वास के साथ पहुंचाया जाएगा।